उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

सिद्धान्त ज्यौतिषम्आचार्य प्रथम वर्षे–प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –
सिद्धान्तशिरोमणिः (गणिताध्यायः) **– 80+20 अंकाः**
(आदितः त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्)

द्वितीयपत्रम् –
सिद्धान्त शिरोमणिः (गोलाध्यायः) **– 80+20 अंकाः**
(आदितः गोलबन्धाधिकारपर्यन्तम्)

तृतीयपत्रम् –
आर्यभटीयम् **– 80+20 अंकाः**
(आदितः गणितपादपर्यन्तम्)

चतुर्थपत्रम्– दीर्घवृत्तलक्षणम् (पूर्वार्धम्) **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् – सिद्धान्ततत्वविवेकः (मध्यमाधिकारः) **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

सिद्धान्त ज्यौतिषम्आचार्य प्रथम वर्षे–द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्

सिद्धान्तशिरोमणिः (गणिताध्यायः) **– 80+20 अंकाः**

(पर्वसम्भवाधिकारतः समाप्तिपर्यन्तम्)

द्वितीयपत्रम्

सिद्धान्त शिरोमणिः (गोलाध्यायः) **– 80+20 अंकाः**

(त्रिप्रश्नवासनातः समाप्तिपर्यन्तम्)

तृतीयपत्रम् –

आर्यभटीयम् **– 80+20 अंकाः**

(कालक्रियापादतः समाप्तिपर्यन्तम्)

चतुर्थपत्रम्–

प्रतिभाबोधकम् (सम्पूर्णम्) **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् –

सिद्धान्ततत्वविवेकः (स्पष्टाधिकारत्रिप्रश्नाधिकारौ) **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सिद्धान्तज्यौतिषम्

आचार्य द्वितीयवर्षे–तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –

सिद्धान्ततत्वविवेकः — **– 80+20 अंकाः**

(बिम्बाधिकारतः चन्द्रग्रहणाधिकारपर्यन्तम्

द्वितीयपत्रम् –

वास्तवचन्द्रश्रृङ्गोन्नतिः — **– 80+20 अंका**

तृतीयपत्रम् –

ग्रहलाघवम् (सोपपत्तिकम्) — **– 80+20 अंकाः**

(आदितः त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्)

चतुर्थ पत्रम् –

क– स्वशास्त्रीयेतिहासः — **– 40 अंकाः+20**

ख– स्वशास्त्रीयनिबन्धः — **– 40 अंकाः**

सहायकग्रन्थाः– 1. सिद्धान्ततत्वविवेकस्य प्रबन्धमणिमाला – प्रो0 वासुदेव शर्मा

2. ग्रहगणित मीमांसा – डॉ मुरारी लाल शर्मा
3. ज्योतिष शास्त्रस्येतिहासः – पं0 शंकरबालकृष्णदीक्षितः
4. भारतीय ज्योतिष – डॉ0 नेमिचन्द शास्त्री
5. गणक तरङ्गिणी – डॉ0 सुधाकर द्विवेदी
6. भारतीय ज्योतिष का इतिहास – डॉ0 गोरख प्रसाद

पंचम पत्रम्–

सिद्धान्ततत्त्वविवेकः (सूर्यग्रहणाधिकारतः समाप्तिपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सिद्धान्तज्यौतिषम्

आचार्य द्वितीयवर्षे–चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्

सिद्धान्ततत्वविवेकः — **80+20 अंकाः**

(सूर्यग्रहणाधिकारतः समाप्तिपर्यन्तम्)

द्वितीयपत्रम् –

वेधशालापरिचयः — **80+20 अंकाः**

सहायक ग्रन्थाः– 1. वेधशालापरिचयः – पं0 कल्याणदत्त शर्मा

2. भारतीय वेधपरम्परायाः क्रमिकविकासः – प्रो0 वासुदेव शर्मा

तृतीयपत्रम् –

ग्रहलाघवम् (सोपपत्तिकम्) — **80+20 अंकाः**

(चन्द्रग्रहणाधिकारतः समाप्तिपर्यन्तम्)

चतुर्थ पत्रम् –

(क) अनुसन्धानप्रविधिः — **40 अंकाः** } **+20**

(ख) पाण्डुलिपि विज्ञानम् — **40 अंकाः** }

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

सहायक ग्रन्थाः –

1. अनुसन्धान पद्धतिः – डॉ0 भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी, सं0सं0वि0वि0 वाराणसी
2. पाण्डुलिपि विज्ञान – प्रो0 सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी अकादमी,जयपुर
3. अनुसन्धानप्रक्रियाप्रविधिः –सम्पादक–डॉ0 नागेन्द्रः, अनुवादकः डॉ0, हर्षनाथ मिश्रा

पंचम पत्रम्

मौखिकम् — **40 अंकाः** } **+20**

प्रायोगिकम् — **40 अंकाः** }

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।